सांध्य दैनिक 4PM

जो छोटी-छोटी बातों में सच को गंभीरता से नहीं लेता है, उस पर बड़े मसलों में भी भरोसा नहीं किया जा सकता।
-अल्बर्ट आइंस्टीन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 350 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 28 जनवरी, 2025

टी20 सीरीज में अजेय बढ़त हासिल... 7 | राजस्थान की राजनीति में उभरता... 3 | योगी की रैली में बाहर से मंगा... 2

हजारों करोड़ खर्च करने के बाद भी कुंभ में अव्यवस्थाओं से हाहाकार

श्रद्धालुओं का सोशल मीडिया पर फूटा गुस्सा

- संगम से 15 किमी तक जाम, कई जगह बैरिकेडिंग टूटी, साधु व संत नाराज
- हवाई किराए को लेकर भी उठ रहे सवाल
- खरगे, अखिलेश व राघव ने उठाया व्यवस्था पर सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में बीजेपी की योगी सरकार प्रयागराज में हो रहे दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन अरबों रुपयें खर्च कर महाकुंभ की व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त हाने का ढोल पीट रही है। पर अब जिस तरह के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहें हैं वे सरकारी वादों व इरादों के पाले खोल रहे हैं। सबसे ज्यादा श्रद्धालुओं की नाराजगी संगम क्षेत्र में आ रहे वीआईपी लोगों की वजह से है। दरअसल उन लोगों के आने से आम लोगों को प्रशासन द्वारा रोका जा रहा जिससे वे परेशान हो रहे हैं। अव्यवस्था की वजह से साधू-संत नाराज होकर धरने तक पर बैठ गए हैं। महाकुंभ का 16वां दिन है। कल मौनी अमावस्या है। मौनी अमावस्या से एक दिन पहले श्रद्धालुओं की जबरदस्त भीड़ को देखते हुए रातभर सभी विभागों के अफसरों ने कई राउंड मीटिंग की।

पुलिस और प्रशासन की व्यवस्था से नाराज साधु-संत बड़ा उदासीन अखाड़े के महंत दुर्गादास के नेतृत्व में धरने पर बैठ गए। महंत का कहना था कि संगम क्षेत्र में तमाम अव्यवस्थाएं हैं। मौके पर पहुंचे मेला अधिकारी विजय किरन आनंद ने महंत दुर्गादास को भरोसा दिलाया कि अव्यवस्थाओं को तत्काल दूर किया जाएगा। साथ ही मेला क्षेत्र में लगे कार्मिकों को भी निर्देश दिये। उधर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिका खरगे ने बीजेपी-आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा कि गंगा में डुबकी लगाने के लिए बीजेपी नेताओं में होड़ मची है। गंगा में डुबकी लगाने से गरीबी दूर नहीं होगी। मैं किसी की आस्था को ठेस नहीं पहुंचाना चाहता। गंगा में डुबकी लगाने से गरीबों को रोटी नहीं मिलेगी। गरीबी और बेरोजगारी जैसे असल मुद्दों पर ध्यान देना ज़रूरी है। उन्होंने पीएम मोदी और गृहमंत्री शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि इन्होंने इतने पाप किए हैं कि सात जन्मों में भी स्वर्ग नहीं जाएंगे। सपा अध्यक्ष ने भी अव्यवस्था पर सवाल उठाया। आप नेता राघव चड्ढा ने प्रयागराज के लिए हवाई टिकटों की कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी को लेकर सरकार पर हमला बोला है।

जिले के चारों ओर जाम ही जाम

मंगलवार को स्थिति बहुत खराब हो गईं हैं। प्रयागराज की ओर आने वाली सारी सड़कों पर कल रात से भीषण जाम लगा हुआ है। लोगों को 15 से 20 किमी पैदल चलना पड़ रहा है। इसकी वजह से कई लोगों की तबियत बिगड़ने की खबरें भी आ रही हैं। जिले कि सड़कें-गलियां सब भर गई हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि पार्किंग या स्टेशन से संगम पैदल आना पड़ रहा है। जगह-जगह बैरिकेडिंग कर पुलिस रोक दे रही है। कई जगह भीड़ ने बैरिकेडिंग तोड़ दी। प्रयागराज रेलवे स्टेशन 5 किमी पड़ता है। स्टेशन और संगम आने जाने वाले श्रद्धालुओं से रास्ता इस कदर भरा है कि पैर रखने की जगह नहीं।

श्रद्धालुओं को संगम जाने से रोका जा रहा

मेले में लगातार अनाउंसमेंट हो रहा कि जो लोग वाराणसी और जौनपुर की तरफ से आ रहे हैं, वह झूंसी के एरावत घाट पर स्नान करें। श्रद्धालुओं को संगम जाने से रोका जा रहा है। मिर्जापुर, चित्रकूट और रीवा की तरफ से आने वाले श्रद्धालु अरैल की तरफ स्नान करके वापस चले जाएं। अयोध्या और लखनऊ की तरफ से आने वाले लोगों को रसूलाबाद, फाफामऊ की तरफ ही रोककर स्नान करने की अपील की जा रही है।

बीजेपी का पलटवार

खरगे के बयान पर बीजेपी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। बीजेपी नेता संबित पात्रा ने कहा, क्या खरगे जी किसी और धर्म के बारे में ऐसा कह सकते हैं? उनका बयान सनातन धर्म के खिलाफ है और यह निंदनीय है। कांग्रेस को इस पर सफाई देनी चाहिए। संबित पात्रा ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह वही पार्टी है जो सत्ता में आने पर सनातन को खत्म करने की बात करती है।

संगम के आधे हिस्से को किया गया सील

संगम के आधे हिस्से को सील कर दिया गया है। जो पांटून पुल कल बंद किए गए थे, वह आज भी बंद हैं। कल अखाड़ों के स्नान पर खोले जाएंगे। संगम की तरफ से अखाड़ों की तरफ जाने के लिए सिर्फ एक पांटून पुल 13 नंबर वाला खोला गया है। बाहर से संगम आने के लिए लोग 15 नंबर पुल का सहारा ले रहे हैं। गाड़ियां पीपा पुल पर नहीं जाने दी जा रही हैं। पुल की सुरक्षा में सीआरपीएफ को लगाया गया है।

मेला क्षेत्र में कार से न आने की अपील

मेला क्षेत्र में आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस (एआई) कैमरों से कड़ी निगरानी रखी जा रही है। डीएम ने प्रयागराज के लोगों से अपील की है कि मेला क्षेत्र में आप लोग कार से न आएं। समर्थ हैं तो पैदल आएं, नहीं तो बाइक से आएं। इससे देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं को जाम से नहीं जूझना पड़ेगा।

कुंभ क्षेत्र में आ रही आम लोगों को दिक्कत : अखिलेश

सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कुंभ में आम लोगों को आ रही दिक्कतों के बारे में सोशल मीडिया पर वीडियो साझे किए। पूर्व सीम ने कहा आम लोगों को गंगा में स्नान करने के लिए काफी लंबी यात्रा करनी पड़ रही है सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही है। योगी सरकार को आम लोगों का ध्यान खना चाहिए। व्यवस्था वीवीआईपी होनी चाहिए।

आस्था के साथ असल मुददों पर ध्यान देना होगाः खरगे

बीजेपी के राजनीतिक एजेंडा के नैरेटिव को सेट होता देख कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने महाकुंभ की डुबकी को गरीबी से जोड़ कर ऐसा बयान दे दिया जिसने राजनीतिक सुनमी का काम किया। अब बीजेपी और सहयोगी दल कांग्रेस को पानी पी-पी कर कोस रहे हैं। कांग्रेस को सनातन विरोधी बताया जा रहा है बयान को आस्था के सवाल से जोड़ा जा रहा है। क्योंकि सिर्फ दो दिनों में सवा तीन करोड़ से ज्यादा लोगों ने कुंभ में डुबकी लगा कर पुण्य कमाया। मध्य प्रदेश के महू जोकि बाबा साहब की जन्म स्थली है वहां पर सजे कांग्रेस के मंच से खरगे ऐसा गरजे कि उनकी गर्ज से बीजेपी के राजनीतिक एजेंडे की धज्जियां उड़ गयी। दरअसल बीजेपी के नेता लगातार महाकुंभ में राहुल-सोनिया को डुबकी लगाने की सलाह दे रहे थे। बीजेपी नेता इस नैरेटिव को सेट करने में कामयाब हो गये थे कि कांग्रेस के शासनकाल में इतनी उम्दा व्यवस्थाओं के बारे में कोई सोच भी नहीं सकता। सच भी यही है। बेहतरीन होमवर्क के साथ यूपी सरकार ने कुंभ की मेजबानी में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। यहां तक तो ठीक था। लेकिन कुंभ को लेकर प्रचार-प्रसार और सरकारी एहसान जताने की कोशिशों से राजनीतिक दलों ने सरकारी मंशा का विरोध किया।

योगी की रैली में बाहर से मंगायी जा रही भीड़ : अजीत

» मिल्कीपुर उपचुनाव : प्रचार में आई तेजी

» डिप्टी सीएम केशव मौर्य और सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव करेंगे जनसभा, डिंपल यादव का होगा रोड शो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। जैसे-जैसे मिल्कीपुर उपचुनाव के मतदान का दिन नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे सपा और भाजपा के स्टार प्रचारकों की जनसभाएं लगती जा रही हैं। सपा प्रत्याशी अजीत प्रसाद ने योगी की रैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनको सुनने के लिए अन्य जनपदों से जनता बुलाई गई थी। मिल्कीपुर की जनता केवल साइकिल को देख रही है। 30 जनवरी को डिंपल यादव रोड शो करेंगी।

चुनाव प्रचार के अंतिम दिन तीन फरवरी को सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव एक जनसभा को संबोधित करेंगे। दोनों प्रमुख पार्टियों सपा और भाजपा ने अपनी-अपनी जीत का दावा किया है। 28 जनवरी को डिप्टी सीएम केशव मौर्य हैरिंगटनगंज के चिखड़ी गांव में जनसभा करेंगे तो 30 जनवरी को डिंपल यादव रोड शो करेंगी। वहीं, प्रचार के अंतिम दिन तीन फरवरी को सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव जनसभा करेंगे। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश पांडेय बादल ने बताया कि 28 जनवरी को डिप्टी सीएम केशव मौर्य जनसभा करेंगे। उन्होंने दावा किया कि भाजपा प्रत्याशी ऐतिहासिक अंतर से चुनाव जीतेंगे और सपा की जमानत जब्त होगी।

अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल शेयर करेंगे मंच, 30 जनवरी को मिलकर करेंगे रोड शो

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में चुनावी जंग जारी है। इस चुनावी जंग के बीच ही अब नया मोड़ आ गया है। इस चुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी के लिए प्रचार करेगी। समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) पहले ही दिल्ली में सत्तारूढ़ आप को अपना समर्थन दे चुके हैं। आम आदमी पार्टी से मिली जानकारी के अनुसार, सपा प्रमुख अखिलेश यादव और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल 30 जनवरी को रिठाला विधानसभा क्षेत्र में एक साथ रोड शो करेंगे। सपा प्रमुख यादव के साथ पार्टी के कई सांसद भी आप के लिए प्रचार करेंगे। आप ने बताया कि कैराना से सांसद इकरा हसन भी विधानसभा चुनाव में आप उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगी। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस और आप, दोनों पार्टियां जो कि भारत गठबंधन का हिस्सा हैं, ने दिल्ली में 2024 का लोकसभा चुनाव एक साथ लड़ा था। हालाँकि, दोनों पार्टियाँ दिल्ली विधानसभा चुनाव अलग-अलग लड़ रही हैं, जिसके कारण गठबंधन के भीतर समर्थन का विभाजन हो गया है, क्योंकि भारत ब्लॉक के प्रमुख सहयोगी आप को समर्थन दे रहे हैं।

भारत का गठबंधन अक्षुण्ण है : अखिलेश यादव

इसके अलावा समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कहा कि भारत का गठबंधन अक्षुण्ण है। उन्होंने 15 जनवरी को कहा, भारत गठबंधन बरकरार है। मुझे याद है कि जब भारत गठबंधन बना था, तब यह निर्णय लिया गया था कि जहां भी कोई क्षेत्रीय पार्टी मजबूत होगी, गठबंधन उसे समर्थन देगा। बता दें कि दिल्ली विधानसभा चुनाव एक ही चरण में 5 फरवरी को होंगे और मतों की गिनती 8 फरवरी को होगी।

राजस्थान में खून की तस्करी करवा रही सरकार : बेनीवाल

» बोले- घृणित कृत्य कर रक्तदाताओं से धोखा किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के जोबनेर में खून की अवैध तस्करी के मामले का सनसनी खेज भंडाफोड़ हुआ। इसके बाद सियासत में इस घटना को लेकर राजनीतिक पारे में उबाल आ गया है। यह रक्त तस्करी का मामला मकराना से जुड़ा हुआ है। इसको लेकर नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने मुख्यमंत्री से खून के अवैध कारोबार के मामले में कार्रवाई की मांग करते हुए बड़े सवाल खड़े किए हैं।

इधर, मकराना के पूर्व विधायक रुपाराम ने भी सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर रोष व्यक्त करते हुए इसे घृणित कृत्य बताया। साथ में कहा कि यह रक्तदान दाताओं के साथ एक धोखा है। इस मामले में कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। इस मामले में मकराना में रक्तदान शिविर का आयोजन करवाने वाले मकराना के पूर्व विधायक रूपाराम मुरावतिया ने अपना रोष प्रकट किया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि मेरे छोटे भाई स्व. प्रेमप्रकाश मुरावतिया की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का रवि मार्बल में आयोजन किया गया था। इस शिविर में 2765 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर परोपकार की मिशाल पेश की थी। छोटा भाई स्व. प्रेमप्रकाश मुरावतिया लायंस क्लब मकराना का अध्यक्ष था।

पूर्व विधायक ने आगे लिखा कि मुझे पता चला है कि जोबनेर पुलिस थाना एवं ड्रग्स कंट्रोल यूनिट ने कार्रवाई करते हुए मकराना ब्लड बैंक से अवैध तरीके से रक्त का कारोबार करने के संबंध में तीन आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए कुल 250 यूनिट रक्त को जब्त किया है। मकराना ब्लड बैंक के संचालकों और रक्त के तस्करों ने यह दुष्कृत्य करके मकराना के रक्तदाताओं साथ हृदय विदारक खिलवाड़ किया है, जो कि अत्यन्त घृणित कृत्य है।

महाकुंभ से उठी किसान बोर्ड बनाने की मांग

सनातन बोर्ड और वक्फ बोर्ड से नहीं भरेगा पेट, अन्नदाता की सुने सरकार तभी बनेगा काम

» पीठाधीश्वर किसानाचार्य स्वामी शैलेन्द्र योगिराज ने की योगी सरकार से यूपी में किसान बोर्ड बनाने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ में डुबकी लगाने आये पीठाधीश्वर किसानाचार्य स्वामी शैलेन्द्र योगिराज की मांग से सरकार की नींद उड़ गयी है। स्वामी शैलेन्द्र योगिराज ने सरकार से जल्द से जल्द किसान बोर्ड बनाने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि सरकार उनकी मांग को जितनी जल्दी हो सके पूरा करे। शैलेन्द्र योगिराज ने कहा है कि सनातन बोर्ड और वक्फ बोर्ड से लोगों का पेट नहीं भरेगा।

किसान ही है जो संतों के भोजन के लिए फल और फलाहार की वस्तु पैदा करता है और अन्य सभी लोगों के लिए भोजन की सामग्री का पैदावार करता है। सभी संतों-महात्माओं को सबसे पहले अन्नदाता किसान के लिए किसान बोर्ड के गठन की मांग करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि किसी के लिए किसान कुछ भी हो, लेकिन हमारे लिए देवता हैं। ऐसे में देश में किसान बोर्ड का गठन किया जाए। जिससे अन्नदाता किसानों को फसल का उचित दाम मिल सके और उनकी आर्थिक स्थिति और मजबूत हो सके। अन्नदाता किसान खेत-खलिहान में सर्दी में खेती करते हुए ठंड से ठिठुर कर मर जाते है। वहीं, गर्मी में लू से बेहाल रहते हैं। बारिश में बिजली गिरने से उनकी जान चली जाती है।

खेतों में काम करते हुए सर्पदंश से मर जाते हैं। लेकिन, किसान हिम्मत नहीं हारता है, फिर भी उनकी उपेक्षा हो रही है। जब किसान बोर्ड बन जाएगा तो किसानों को बेहतर सुरक्षा मिलेगी।

मुस्लिम राष्ट्र की मांग करेगा मुसलमान

शैलेन्द्र योगिराज ने कहा कि हमारा मानना है कि किसान बोर्ड का गठन कर देने से समाज को एक किया जा सकता है। नहीं तो इस प्रकार से तो इस देश का रहने वाला मुसलमान मुस्लिम राष्ट्र की मांग करने लगेगा। इस देश का ईसाई ईसाई राष्ट्र की मांग करने लगेगा। अभी वक्फ बोर्ड फिर सनातन बोर्ड फिर क्रिश्चियन बोर्ड। इसी प्रकार से तो कई बोर्ड की मांग उठने लगेगी। इसी कारण किसान बोर्ड बनाकर सभी विवाद पर विराम लगाया जा सकता है और सभी को एक सूत्र में बांधा जा सकता है। सिर्फ किसान ही एक ऐसा है, जिसके माध्यम से सब एक हो सकते हैं।

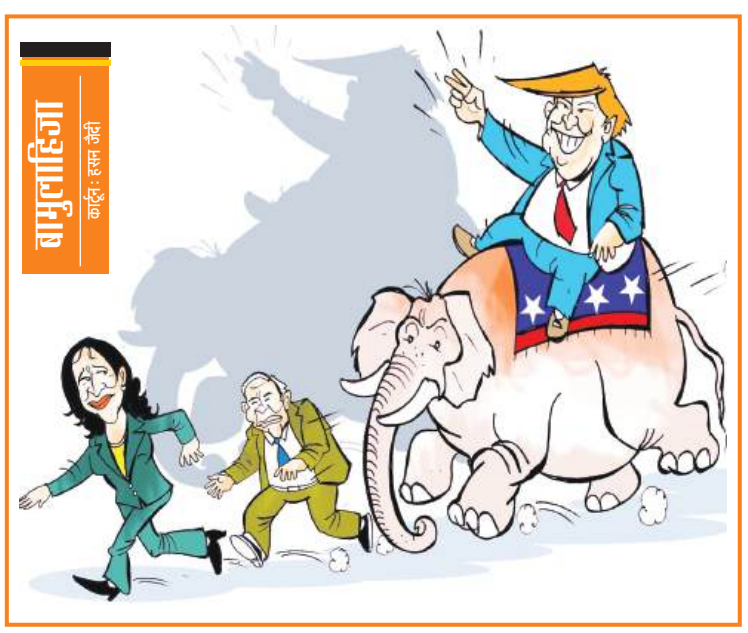

पंजाब को जलाने की हो रही कोशिश : मजीठिया

» बोले- साजिश के तहत तोड़ी अंबेडकर की प्रतिमा, दिल्ली में सो रहे सीएम मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के अमृतसर में 26 जनवरी को डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा तोड़े जाने की घटना पर शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के महासचिव बिक्रम सिंह मजीठिया ने आम आदमी पार्टी की प्रदेश सरकार पर जमकर हमला किया है।

मजीठिया ने कहा कि पंजाब में कानून व्यवस्था की स्थिति ऐसी है कि राज्य में हाई अलर्ट घोषित किया गया था, इसके बावजूद 26 जनवरी को बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा को तोड़ा गया। इससे ज्यादा शर्मनाक और कुछ नहीं हो सकता। यह पुलिस की सबसे बड़ी विफलता है। मजीठिया ने कहा कि घटना से एक दिन पहले दो एडीजीपी यहां आए थे और सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया था, फिर भी यह हमला हुआ। यह दिखाता है कि पंजाब में स्थिति बिल्कुल सही नहीं है। इससे पहले पंजाब में आठ से नौ बम ब्लास्ट हो चुके हैं। अमृतसर साहिब जैसे सीमावर्ती जिले में ऐसी घटना होना सोची-समझी साजिश है।

राजस्थान की राजनीति में उभरता सितारा बेनीवाल

दिग्गज नेता स्व. नाथूराम मिर्धा की याद दिलाते हैं हनुमान

खींवसर उपचुनाव में हार के बाद भविष्य की रणनीति

» छात्रसंघ अध्यक्ष बनने के बाद बेनीवाल ने रखा राजनीति में कदम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। हनुमान बेनीवाल मारवाड़ से उभरे एक प्रभावशाली जाट नेता आज युवाओं के आदर्श बन गए हैं। करीब दो दशक की सियासत में बेनीवाल ने अपनी अहमियत देशभर में बना ली है। हर सूरत में जीत की चौखट पर चढ़ने वाले आक्रामक जाट नेता ने समयानुसार अपनी भी चौसर बिछाते रहे हैं। भले ही उनके विरोधी इसे अवसरवाद की संज्ञा देते हैं। बेनीवाल का राजनीतिक करियर दिग्गज नेता स्व. नाथूराम मिर्धा की याद दिलाता है।

बाबा वाली छवि के साथ बेनीवाल ने नागौर ही नहीं, बल्कि पूरे राजस्थान की राजनीति में अपनी जगह बना ली है। उनके मजबूत होने से कई जाट नेताओं (खासकर मारवाड़ और शेखावाटी क्षेत्र) को अपना अस्तित्व खतरे में लग रहा है। हाल के उपचुनाव में दूसरे दलों के जाट नेताओं ने मिलकर बेनीवाल की जीत का सिलसिला तोड़ दिया। वर्ष 2008 में राजस्थान विश्वविद्यालय के छात्रसंघ अध्यक्ष बनने के बाद हनुमान बेनीवाल ने राजनीति में कदम रखा। भाजपा में शामिल होने से पहले ही वे संघ के एक बड़े नेता की चाल का शिकार हो गए, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। पहले भाजपा और फिर कांग्रेस के साथ मिलकर संसद पहुंचे। खुद के अलावा अपने भाई नारायण बेनीवाल को भी विधानसभा पहुंचाया। हालांकि, अपनी पत्नी कनिका को विधानसभा नहीं पहुंचा पाए, जिसका मलाल उन्हें हमेशा रहेगा।

नए मौकों की तलाश में लगे बेनीवाल

हनुमान बेनीवाल की राजनीतिक यात्रा उतार-चढ़ाव से भरी रही है। कभी भाजपा के साथ, कभी कांग्रेस के साथ, वे हमेशा जीत की तलाश में रहे हैं। हालांकि खींवसर उपचुनाव हारने के बाद बेनीवाल अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर गंभीर हैं। नए मौकों की तलाश में लगे बेनीवाल के हाल ही में आए बयानों से साफ जाहिर होता है कि वो अब नया खेल खेलने में जुट गए हैं।

बेनीवाल के गढ़ में गरजी राजें, बोलीं- लोग बदलते रहते हैं, जनता सही निर्णय लेना जानती है

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे जोधपुर से नागौर पहुंचीं। वसुंधरा राजे जाटों के आराध्य देव वीर तेजाजी महाराज के दर्शन कर स्वागत सभा को संबोधित किया। संबोधन में कहा कि 20 वर्ष पहले जब वह यहां पर आईं और उसके बाद आज यहां आना हुआ है। तब से अब तक बहुत कुछ बदलाव हुआ है। उस समय 10 में से 10 सीट हमारी थीं। आने वाले समय में आपको यह करना है। वहीं मंदिर निर्माण में हो रही देरी पर नाराजगी जाहिर की और खींवसर विधायक रेवंतराम डांगा को इस कार्यकाल में मंदिर निर्माण पूरा करवाने की बात की। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे नागौर जिले के दौरे पर रहीं। जोधपुर से चलकर नागौर के खरनाल पहुंचीं। खरनाल में वीर तेजाजी महाराज के चरणों में माथा टेक कर प्रदेश में अमन चैन की दुआ मांगी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने माला और चुनरी ओढ़ाकर खरनाल मंदिर में स्वागत किया। 20 वर्षों के बाद खींवसर उपचुनाव में भाजपा में भाजपा की जीत के परिणाम की जीत की बधाई दी। कहा कि 20 वर्षों के बाद किए गए परिवर्तन का परिणाम है। अपने संबोधन में उन्होंने आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल पर निशाना सधा। उन्होंने कहा कि समय-समय पर लोग बदलते रहते हैं और जनता सही निर्णय लेना जानती है।

गुजरात में भाजपा नहीं ढूंढ पा रही नया प्रदेश अध्यक्ष

» कौन होगा सीआर पाटिल का उत्तराधिकारी

» मकर संक्रांति के बाद भी चल रही माथा-पच्ची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात में पिछली काफी समय से आधी टीम से संगठन चला रही बीजेपी को नए प्रदेश अध्यक्ष के लिए और इंतजार करना पड़ेगा। राज्य में पार्टी के संगठन चुनावों के तीन चरण पूरे हो चुके हैं।

राज्य में बीजेपी अध्यक्ष घोषित करने के लिए 41 शहर और जिला प्रमुखों में 50 प्रतिशत की घोषणा होना जरूरी है, लेकिन अभी तक शहर और जिला अध्यक्षों का ऐलान नहीं होने और राज्य में स्थानीय निकाय के चुनाव घोषित होने के बाद यह माना जा रहा है कि अब नए प्रदेश प्रमुख का ऐलान इन चुनावों के बाद होगा। गुजरात में राज्य चुनाव आयोग ने जूनाग? नगर निगम के साथ 66 नगर पालिका और तीन तहसील पंचायतों के चुनाव घोषित किए हैं। इसके लिए राज्य में 16 जनवरी को वोटिंग होगी। इसके बाद 18 फरवरी को नतीजे आएंगे। ऐसे में नए अध्यक्ष का ऐलान अब स्थानीय निकाय के चुनाव के बाद होने की उम्मीद की जा रही है।

अभी तक चर्चा में आए ये नाम

प्रदेश अध्यक्ष के लिए अभी तक करीब 10 नाम चर्चा में आ चुके हैं। इनमें पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी, राज्यसभा सांसद मयंक नायक, राज्य सरकार में मंत्री जगदीश विश्वकर्मा (पंचाल), विधायक अमित ठाकर, विधायक उदय कानगड, पूर्व सीएम विजय रुपाणी, पूर्व मंत्री डॉ. महेंद्र मुंजपरा, पूर्व मंत्री अर्जुन सिंह चौहाण के नाम प्रमुख है। गुजरात में बीजेपी के नए अध्यक्ष का जहां काफी समय से इंतजार हो रहा है तो वहीं राज्य बीजेपी दो प्रदेश महामंत्रियों के पद भी लंबे समय से खाली पड़े हैं। प्रदेश महामंत्री भार्गव भट्ट और प्रदीप सिंह वाघेला का पार्टी ने इस्तीफा ले लिया था। ऐसे में पार्टी के पास संगठन महामंत्री रत्नाकर के साथ दो अन्य महामंत्री विनोद चावड़ा और रजनीकांत पटेल ही हैं।

बीजेपी ने अटकलों को किया खारिज

बीजेपी की राज्य में पिछले हफ्ते सामने आई उन अटकलों को खारिज किया है कि पार्टी ने कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर किसी की पसंदगी कर ली है। राज्य बीजेपी के चीफ मीडिया कंवीनर डॉ. यग्नेश दवे ने कहा है कि गुजरात बीजेपी के अध्यक्ष सीआर पाटिल हैं। वे अभी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। बीजेपी ने जुलाई, 2020 में नवसारी के सांसद सीआर पाटिल को प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपी थी। पाटिल का कार्यकाल पिछले पूरा हो चुका है लेकिन पार्टी ने उन्हें राष्ट्रीय जे पी नड्?डा की तरह एक्सटेंशन दिया हुआ है। इससे पहले राज्य में यह जिम्मेदारी जीतू वाघाणी संभाल रहे थे। उससे पहले कुछ महीनों के लिए विजय रुपाणी प्रदेश अध्यक्ष बने थे।

क्या नहीं मिल रहा है पाटिल का रिप्लेसमेंट?

नए प्रदेश प्रमुख ऐलान में देरी से राजनीतिक हलकों में चर्चा हो रही है कि क्या सीआर पाटिल का पार्टी को रिप्लेसमेंट नहीं मिल रहा है? गुजरात बीजेपी के अनुशासन की नई लकीर खींचने के लिए जाने गए पाटिल के प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए पार्टी ने विधानसभा चुनावों में सभी रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए 156 सीटें जीती थीं। पाटिल ने पेज समिति के प्रयोग से यह करिश्मा किया था। अब वह राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की तरह ही केंद्र में मंत्री रहते हुए बीजेपी प्रदेश प्रमुख का दायित्व भी संभाल रहे हैं। दावा किया जा रहा है पाटिल ऐसे चेहरे की तलाश में है जो आगे पंचायत और फिर बड़े शहरों की नगर निगम चुनावों में पार्टी का झंडा बुलंद रख सके। यह भी संभावना व्यक्त की जा रही है कि पाटिल की अगुवाई में ही राज्य में पालिका चुनाव संपन्न हों।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

चुनावी वादों को पूरा करना जरूरी

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए बीजेपी, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने जनता को आकर्षित करने के लिए विभिन्न प्रकार के वादे किए हैं। हर पार्टी ने अपने वादों के माध्यम से दिल्ली के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और रोजगार जैसे प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया है। चुनावी वादे केवल पत्रों पर सीमित नहीं रह सकते, बल्कि इनका वास्तविक रूप में कार्यान्वयन भी जरूरी है, ताकि दिल्लीवासियों को उनकी उम्मीदों के अनुसार परिणाम मिल सकें। अब देखना यही हे कि दिल्ली वाले किस पार्टी के वादों के साथ वोटिंग करते हैं। हालांकि अगर वादों की बात करे तो अरविंद केजरीवाल की सरकार ने काफी हद तक अपने वादों को वफा किया है। महिलाओं की सुरक्षा से लेकर रोजगार गारंटी तक। शिक्षा में सुधार और मोहल्ला क्लीनिक आदि विषयों पर उन्होंनं काम किया और जनता ने उनको सर माथे पर बिठाया।

आम आदमी पार्टी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अपने मुख्य वादों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी, बिजली और रोजगार को प्राथमिकता दी है। पार्टी का कहना है कि दिल्ली में मुफ्त बिजली और पानी की आपूर्ति जारी रखी जाएगी और उसमें कोई कटौती नहीं की जाएगी। इसके साथ ही ने दिल्ली के सरकारी स्कूलों और अस्पतालों में सुधार करने का वादा किया है। पार्टी ने यह भी घोषणा की है कि वे युवा पीढ़ी के लिए रोजगार के अवसरों को बढ़ाएंगे और दिल्ली में छोटे उद्योगों को बढ़ावा देंगे। आम आदमी पार्टी का यह भी कहना है कि वे दिल्ली के नागरिकों के लिए एक सशक्त और बेहतर भविष्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आगामी विधानसभा चुनावों से पहले गारंटी की श्रृंखला के तहत राष्ट्रीय राजधानी में ऑटो चालकों के लिए 10 लाख रुपये की जीवन बीमा योजना की घोषणा की। केजरीवाल ने अपने आवास पर एक ऑटो चालक के साथ दोपहर का भोजन करने के बादअपने पोस्ट में उन्होंने दिल्ली में आप के सत्ता में लौटने पर ऑटो रिक्शा चालकों के लिए पांच गारंटी के बारे में विस्तार से बताया। प्रत्येक ड्राइवर के लिए 10 लाख रुपये तक का जीवन बीमा और 5 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा होगा। बेटी की शादी के लिए 1 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। वर्दी के लिए साल में दो बार 2500 रुपये मिलेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले बच्चों की कोचिंग का खर्च सरकार उठाएगी। 'पूछो ऐप' फिर से चालू होगा। कुल मिला कर लगभग सभी पार्टियों ने वादे किए हैं। सत्ता जिसको भी मिले उन्हे सत्ता की कुर्सी मिले तो वह जनता से किए वादे जरूर निभाएं।

चुनावी वादे केवल पत्रों पर सीमित नहीं रह सकते, बल्कि इनका वास्तविक रूप में कार्यान्वयन भी जरूरी है, ताकि दिल्लीवासियों को उनकी उम्मीदों के अनुसार परिणाम मिल सकें। अब देखना यही हे कि दिल्ली वाले किस पार्टी के वादों के साथ वोटिंग करते हैं। हालांकि अगर वादों की बात करे तो अरविंद केजरीवाल की सरकार ने काफी हद तक अपने वादों को वफा किया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत की ऊंची उड़ान

डॉ निमिष कपूर

डॉकिंग प्रौद्योगिकी ने भारत को वैश्विक रूप से अग्रणी देशों के संग खड़ा करने के साथ अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में ऊंची उड़ान भरी है। इसरो के स्पैडेक्स मिशन ने 16 जनवरी, 2025 को ऐतिहासिक अंतरिक्ष डॉकिंग उपलब्धि हासिल कर ली, जो चंद्रयान-4 जैसे दीर्घकालिक कार्यक्रमों और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए महत्वपूर्ण है। यह मानवयुक्त गगनयान मिशन के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगा। इस परियोजना का नाम स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट (स्पैडेक्स) रखा गया है। मिशन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली स्वदेशी तकनीक को भारतीय डॉकिंग सिस्टम नाम दिया गया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि को हासिल करने के साथ ही भारत अंतरिक्ष में दो उपग्रहों को साथ जोड़ने की डॉकिंग प्रक्रिया में सक्षम देशों के विशिष्ट समूह में शामिल हो गया है। इस सफलता को हासिल करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। इससे पूर्व दुनिया में केवल तीन देश- अमेरिका, रूस और चीन- ही अंतरिक्ष यान को अंतरिक्ष में डॉक करने में सक्षम थे।

इस अभूतपूर्व मिशन का उद्देश्य अंतरिक्ष यानों या उपग्रहों को आपस में जोड़ने (डॉकिंग) और उन्हें अलग करने (अनडॉकिंग) में भारत की तकनीकी शक्ति प्रदर्शित करना था जो उपग्रह सेवा, अंतरिक्ष स्टेशन संचालन और अंतरग्रहीय अन्वेषण जैसी महत्वपूर्ण अंतरिक्ष क्षमताओं का मार्ग प्रशस्त करेगा। स्पैडेक्स मिशन में अंतरिक्ष के लगभग शून्य में इसरो ने 28,800 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से परिक्रमा कर रहे दो अंतरिक्ष यानों, टार्गेट और चेजर को जोड़ने की अत्यंत जटिल और चुनौतीपूर्ण डॉकिंग प्रक्रिया को बेद सटीकता के साथ पूरा किया। अंतरिक्ष यानों ने स्वयं को 15 मीटर से तीन मीटर की दूरी तक सहजता से संयोजित किया और सटीकता के साथ डॉकिंग शुरू की, जिससे दोनों अंतरिक्ष यानों को सफलतापूर्वक आपस में जोड़ा गया। इसके बाद सुचारु रूप से वापसी प्रक्रिया पूरी हुई। डॉकिंग के बाद दो उपग्रहों का एकीकृत नियंत्रण सफलतापूर्वक पूरा किया गया जो भारत की तकनीकी विशेषज्ञता दर्शाता है।

डॉकिंग के बाद दोनों उपग्रह अब एक अंतरिक्ष यान के रूप में काम करेंगे। ये अंतरिक्ष यान प्रकृति में भी समान हैं और डॉकिंग के दौरान कोई भी अंतरिक्ष यान चेजर (सक्रिय अंतरिक्ष यान) के रूप में कार्य कर सकता है। ये सौर पैनल, लिथियम-आयन बैटरी और एक मजबूत पावर मैनेजमेंट प्रणाली से लैस

हैं। एटीट्यूड और ऑर्बिट कंट्रोल सिस्टम (एओसीएस) में स्टार सेंसर, सन सेंसर, मैग्नेटोमीटर तथा रिएक्शन व्हील, मैग्नेटिक टॉर्कर और थ्रस्टर शामिल हैं। स्पैडेक्स मिशन में शोध कार्यों के लिए 24 पेलोड भी अंतरिक्ष में भेजे गये हैं, जिनमें से 14 पेलोड इसरो की विभिन्न प्रयोगशालाओं से और 10 पेलोड विभिन्न विश्वविद्यालयों और स्टार्टअप्स से संबंधित हैं। इनमें से एक पेलोड यह शोध करेगा कि पौधे की कोशिकाएं अंतरिक्ष में कैसे बढ़ती हैं। इस शोध के तहत अंतरिक्ष और पृथ्वी पर एक ही समय में प्रयोग किया जायेगा। इस प्रयोग में पालक की कोशिकाओं को एलइडी लाइट और जेल के जरिये सूर्य का प्रकाश और पोषक तत्व जैसी अहम चीजें दी जायेंगी। एक कैमरा पौधे की कोशिका के रंग और वृद्धि को रिकॉर्ड करेगा। यदि कोशिका का रंग बदलता है तो प्रयोग असफल हो जायेगा। यह सुखद है कि स्पैडेक्स मिशन के साथ भेजे गये लोबिया के बीज में पत्तियां निकल आयी हैं। इसरो द्वारा छह जनवरी को इसकी तस्वीर जारी की गयी है। प्रयोग के लिए लोबिया को इसलिए चुना गया, क्योंकि यह तेजी से अंकुरित होता है। इसमें सहनशीलता और पोषण भी ज्यादा होता है। लोबिया में अंकुरण से पालक पर होने वाले शोध के सफल होने की उम्मीदें बढ़ गयी हैं। इस तकनीक का उपयोग अंतरिक्ष में पौधों के विकास और जीवन चक्र पर प्रभाव को समझने के लिए किया जायेगा, जो भविष्य के लंबे अंतरिक्ष मिशनों के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं। इन प्रयोगों में सफलता मिलती है, तो अंतरिक्ष और पृथ्वी पर कृषि तकनीकों को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है। साथ ही भारतीय वैज्ञानिकों की लंबी अंतरिक्ष यात्राओं, जैसे मंगल ग्रह मिशन के दौरान पौधे उगाने की संभावना और मजबूत होगी।

इस मिशन की सफलता इसरो के लिए कई मायनों में महत्वपूर्ण है। वर्ष 2035 में जब भारत अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करेगा, तो इस तकनीक का उपयोग अंतरिक्ष में विभिन्न मॉड्यूल्स को जोड़ने के लिए किया जायेगा। भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए अलग-अलग कक्षीय प्लेटफॉर्मों को जोड़ने की जरूरत पड़ेगी, और यही तकनीक इसमें काम आयेगी। इसके अतिरिक्त, चंद्रयान-4 मिशन, जिसके जरिये चांद से मिट्टी के नमूने पृथ्वी पर लाने का लक्ष्य है, में भी यही डॉकिंग तकनीक इस्तेमाल होगी।

केंद्रीय बजट और लोगों की उम्मीदें

अभिजीत मुखोपाध्याय

जुलाई-सितंबर तिमाही में जीडीपी का अनुमान सात तिमाहियों के निचले स्तर 5.4 प्रतिशत पर आने के बाद, वार्षिक अनुमान में संशोधन कर उसे कम किये जाने की उम्मीद थी। इस दूसरी तिमाही के नतीजों ने भारत में धीमी वृद्धि की लगातार तीसरी तिमाही को भी चिह्नित किया। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जैसी की उम्मीद है, जीडीपी के पहले अग्रिम अनुमान में, वित्त वर्ष 2024-25 में वास्तविक जीडीपी में 6.4 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है, जबकि वित्त वर्ष 2023-2024 के जीडीपी के अनंतिम अनुमान (पीइ) में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत है। विकास में तीव्र मंदी को देखते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय बजट में कई उपायों की घोषणा करने की आशा है। इसके अतिरिक्त, आरबीआइ की एमपीसी अंतत: ब्याज दरों को कम करने का निर्णय ले सकती है।

केंद्रीय बजट 2025 से मुद्रास्फीति, राजकोषीय घाटे पर नियंत्रण और निर्यात प्रोत्साहन जैसी व्यापक आर्थिक चुनौतियों के समाधान की भी उम्मीद है। वित्तीय स्थिरता को बनाये रखते हुए भारत को सतत विकास की ओर ले जाने में ये उपाय महत्वपूर्ण साबित होंगे। सीतारमण को आगामी केंद्रीय बजट में रोजगार सृजन पर ध्यान देते हुए विनिर्माण और बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्हें उपभोग को बढ़ावा देने के तरीके भी तलाशने होंगे। नीति निर्माताओं के लिए असली सिरदर्द विनिर्माण क्षेत्र बना हुआ है। विनिर्माण वृद्धि 2023-24 के 9.9 प्रतिशत से घटकर 2024-25 में 5.3 प्रतिशत हो गयी। आगामी बजट में विनिर्माण की मुश्किलों को दूर करने की आवश्यकता है। बजट में पूंजीगत व्यय पर सरकार के पूरा ध्यान देने की संभावना है, खासकर धीमी जीडीपी वृद्धि के मद्देनजर। आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास, विशेष रूप से सड़कों, रेलवे और शहरी परियोजनाओं के लिए बजटीय आवंटन में वृद्धि हो सकती है।

रियल एस्टेट सेक्टर एक बार फिर हाउसिंग सेक्टर को बुनियादी ढांचा का दर्जा देने के लिए दबाव डाल रहा है। आयकर अधिनियम के तहत आवास ऋण के ब्याज भुगतान पर कर कटौती सीमा को दो लाख से बढ़ाकर पांच लाख करने की भी मांग उठ रही है। स्टार्टअप और एमएसएमइ कर छूट, ऋण तक बेहतर पहुंच और नवाचार व रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करने के लिए बनायी गयी नयी नीतियों को लेकर आशान्वित हैं। ये क्षेत्र देश में उद्यमशीलता और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण हैं। अर्थव्यवस्था में मंदी को देखते हुए, भारतीय व्यवसाय मौजूदा कॉरपोरेट कर दर में कुछ कटौती की आशा कर सकते हैं। हालांकि, केंद्र सरकार के वित्तीय परिदृश्य को देखते हुए कॉरपोरेट कर की दर में समग्र कटौती की संभावना नहीं है। यद्यपि, नयी विनिर्माण कंपनियों और वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) के लिए कुछ प्रमुख कॉरपोरेट कर दरों में कटौती को बढ़ाने जैसे प्रावधान अर्थव्यवस्था को गति देने में मदद कर सकते हैं।

विनिर्माण प्रक्रियाओं और प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने के लिए आरएंडडी में निवेश करना महत्वपूर्ण है। यह नवाचार को बढ़ावा दे सकती है और विनिर्माण क्षेत्र की क्षमताओं को मजबूत कर सकती है। उद्योग और सेवाओं के विभिन्न क्षेत्रों से भी लोगों को उम्मीदें हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे, डिजिटल शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों के लिए अधिक आवंटन के साथ स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिल सकता है। बढ़ती चिकित्सा लागत और अस्पताल के बढ़ते खर्चों के साथ, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र ने एक समर्पित स्वास्थ्य नियामक के निर्माण की मांग की है। इसी संदर्भ में, बीमा उद्योग उन सुधारों की वकालत कर रहा है जो स्वास्थ्य बीमा को अधिक सुलभ और टिकाऊ बना सकते है। इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग अपने विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नीतिगत उपायों को लेकर आशावादी है। निसंदेह, अप्रत्यक्ष कर के मोर्चे पर भी लोगों की ऐसी ही अपेक्षाएं हैं। इनमें से कुछ पर बजट में विचार किया जा सकता है। मध्यम वर्ग के करदाताओं की उम्मीदें सालाना 15 लाख रुपये तक कमाने वाले व्यक्तियों के लिए आयकर स्लैब में संशोधन पर टिकी हैं।

उद्योग निकायों ने भी इस मांग को दोहराया है और सरकार से उपभोग को बढ़ावा देने और खर्च योग्य आय बढ़ाने के लिए व्यापक सुधारों पर विचार करने का आग्रह किया है। पेट्रोलियम उत्पादों पर उत्पाद शुल्क को कम करने का दबाव भी बढ़ रहा है, यह एक ऐसा कदम होगा जो मुद्रास्फीति के दबाव को कम कर सकता है और बढ़े हुए उपभोक्ता खर्च और आर्थिक गतिविधि में मदद कर सकता है। ऐसे समय में, जब हर कोई कर में कटौती चाहता है, भारत की विकास दर में गिरावट उसके बजट पर दबाव डाल रही है। यहां उपभोग को बढ़ावा देने और निवेश की मांग के लिए बेहतर समाधान तलाशने की जरूरत है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि अतिरिक्त धन कहां से आयेगा। इसलिए बजट में हर किसी की आस पूरी होगी कहा नहीं जा सकता। फिर भी, भारतीय अर्थव्यवस्था के पटरी पर लौटने की उम्मीद की जा सकती है।

सर्दियों में यहां घूमने का बनाएं प्लान

उत्तर भारत में मौसम इस वक्त तेजी से बदल रहा है। सर्दियों का मौसम लोगों को खूब भाता है। इस मौसम में खाने-पीने और घूमने फिरने का मजा ही अलग होता है। कई जगहों पर सर्दियों में बर्फबारी भी शुरू हो गई है और लोग इसका जमकर लुत्फ उठाते हैं। जिसका आनंद वे कई खूबसूरत जगहों पर जाकर ले सकते हैं। यहां आपको शांति और सुकून के साथ प्रकृति के स्वर्ग जैसे नजारे देखने को मिलेंगे। इससे आपको दिल और दिमाग खुश हो जाएगा। सर्दियों की छुट्टी होने पर लोग अपने दोस्तों और परिवार के साथ घूमने भी जा सकते हैं। अगर आप दफ्तर या कॉलेज से छुट्टी मिल रही है तो आप लंबी ट्रिप प्लान कर सकते हैं। घूमने का शौक रखने वाले गर्मियों और सर्दियों, दोनों ही मौसम में हिल स्टेशन जाना पसंद करते हैं। दिल्ली एनसीआर के आसपास रहने वालों के लिए सबसे अधिक हिल स्टेशन के विकल्प उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में हैं, जो कम समय और बजट में घूमने के लिए सबसे बेहतरीन हो सकते हैं।

नीमराना फोर्ट

अगर आपको आफिस से छुट्टी मिल रही है तो नीमराना फोर्ट की यात्रा की योजना बनाएं। जयपुर का ये हेरिटेज रिसोर्ट पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। यहां आप खूबसूरत वास्तुकला देख सकते हैं और आयुर्वेदिक स्पा का भी मजा ले सकते हैं। ऊंट की सवारी, विंटेज कार राइड और जिप लाइनिंग का आनंद उठा सकते हैं।

वायनाड

प्रकृति के मनमोहक नजारों के लिए साउथ इंडियन राज्य केरल परफेक्ट हो सकता है। केरल का शहर वायनाड हिल स्टेशन सर्दियों का आनंद लेने के लिए गजब की जगह है। वायनाड बेहद खूबसूरत और मनमोहक जगह है, जहां जाकर आप शांति और सुकून भी महसूस कर सकेंगे। इस शहर में वह हर चीज है, जिसकी उम्मीद लोग छुट्टियां मनाते वक्त करते हैं। यहां का खाना, कल्चर और प्राकृतिक जगहें आपको दीवाना बना देंगी। वायनाड में कई ट्रैकिंग ट्रेल्स हैं, जो पूरे देश से पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। यहां जाकर आप साउथ इंडिया की झलक देख सकते हैं।

माउंट आबू

सर्दियों की छुट्टी में माउंट आबू घूमने जा सकते हैं। यह राजस्थान का एकमात्र हिल स्टेशन है, जहां देश विदेश से सैलानी बड़ी संख्या में सर्दियों के मौसम में आते हैं। ये रेगिस्तान का अकेला हिल स्टेशन है। यहां आप वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी कर सकेत हैं और हिंदू देवी देवताओं के मशहूर मंदिरों के दर्शन के लिए जा सकते हैं। माउंट आबू के बीच में बनी नक्की झील चारों तरफ से अरावली पहाड़ियों से घिरी हुई है। इस खूबसूरत जगह का नजारा देखते बनता है। धर्म और वास्तुकला का नायाब संगम देखने के लिए देलवाड़ा जैन मंदिर से बेहतर कोई जगह नहीं है। ये पांच मंदिर अलग-अलग समय पर 5 जैन तीर्थंकर को समर्पित किए गए हैं। इस मंदिर में संगमरमर पर की गई बारीक कारीगरी आश्चर्यजनक है।

नैनीताल

नैनीताल की नैनी झील में बोटिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। माल रोड घूमने जा सकते हैं। वीकेंड पर नैनीताल की ट्रिप पर जा सकते हैं। यहां के प्राकृतिक नजारे, पहाड़, हरियाली और झील आपका मन मोह लेगी। नैनीताल में घूमने के लिए कई पर्यटन स्थल हैं। अगर आपको ऐसा लगता है कि नैनीताल में केवल आपको झील देखने को मिलेगी तो आप गलत हैं। नैनीताल में छह छोटी गुफाओं वाली एक प्रसिद्ध जगह है, इसे इको केव गार्डन कहते हैं। नैनीताल के स्नो व्यू प्वाइंट से पर्यटक ऊंचे बर्फीले पहाड़ और बादलों की सफेद चादर को करीब से देख पाएंगे। नैनीताल की सबसे प्रसिद्ध जगहों में नैना देवी मंदिर हैं।

हंसना मना है

सर- अंग्रेजों ने चांद पर पानी और बरफ की खोज कर ली है। बताओ इससे तुमने क्या सिखा? संता - बस हमें अब सिर्फ दारु और नमकीन लेके जाना है!

हसबैंड वाईफ में लड़ाई हुई, हसबैंड घर से चला गया, हसबैंड: रात को फोन पे, खाने में क्या है। वाईफ- जहर। हसबैंड : मैं देर से आऊंगा, तुम खा कर सो जाना।

टीचर- सेमिस्टर सिस्टम के फायदे बताओ? स्टूडेंट- फायदे तो पता नहीं, पर बेइजत्ती साल में 2 बार हो जाती है।

भिखारी- कुछ खाने को दे दो, लड़की- टमाटर खाओ, भिकारी- रोटी दे दो, लड़की- टमाटर खाओ, भिकारी- अच्छा लाओ टमाटर ही दे दो, लडकी की मां- अरे तुम जाओ बाबाजी ये तोतली है। कह रही है.. कमा कर खाओ।

जिस लड़के कि शादी, उसकी पहली ही गर्लफ्रेंड से हो जाए तो ऐसा लगता है जैसे बंदा Try Ball पर ही आउट हो गया।

लड़की- प्लीज मेरे हसबैंड को अंदर बुला लीजिये, डॉक्टर- घबराओ नही मैं एक शरीफ आदमी हूं। लड़की- आप समझे नही, बाहर आपकी नर्स अकेली है।

कहानी | डायनासोर की गुफा

सालों पहले मिमसपुर गांव में गुफा में एक डरावना और उड़ने वाला डायनासोर रहता था। वह डायनासोर इतना खतरनाक था कि उसके मुंह से आग भी निकलती थी। हर महीने वो डायनासोर गांव में उड़ते हुए मुंह से आग निकालकर गांव के कई घरों को जला देता था। ऐसे ही हर महीने उस गांव के कई घर और खेत जलकर राख हो जाते थे। हर तरफ उस डायनासोर का डर था। अपने गांव के लोगों को इतना परेशान देखकर राजा ने उस डायनासोर को मारने का फैसला लिया। उन्होंने उसकी गुफा में 10 से 12 सैनिक भेजे। कुछ सैनिकों ने जैसे ही डायनासोर पर चाकू से हमला किया, तो वैसे ही डायनासोर नींद से जग गया और सारे सैनिकों को मार दिया। राजा जितनी बार भी सैनिकों को गुफा में भेजते, वो डायनासोर मुंह से आग निकालकर सभी को खत्म कर देता। इस सबसे परेशान होकर राजा ने गांव में घोषणा कर दी कि जो भी उस खतरनाक डायनासोर को मारेगा उसे वो दस हजार सोने की मोहर देंगे। उसी गांव में एक काफी बुद्धिमान व्यक्ति भी रहता था। उसने जैसे ही यह एलान सुना, तो राजा को डायनासोर के आतंक से बचने का उपाय बता दिया। उसने कहा कि हम लोहे को पिघला लेते हैं और उससे बनने वाले लार्वे को डायनासोर पर डाल देंगे। गर्म लार्वे से बचने के लिए जैसे ही डायनासोर उड़ने लगेगा, तो पत्थरों से टकरा जाएगा और उन्हीं के नीचे दबकर उसकी जान निकल जाएगी। राजा को उसका यह सुझाव अच्छा लगा। उन्होंने अपने सैनिकों को कहकर तुरंत लार्वा तैयार करवाया और सैनिकों के साथ डायनासोर की गुफा में पहुंच गए। फिर ठीक वैसा ही किया जैसा उस बुद्धिमान व्यक्ति ने राजा को करने के लिए कहा था। डायनासोर पर लार्वा जैसे ही गिरा वो इधर-उधर देखे बिना झटके से उड़ने लगा और गुफा से टकरा गया। इसी बीच गुफा के ऊपर के पत्थर उसके ऊपर गिरने लगे और वो उन्हीं के नीचे दबकर मर गया। ऐसा होते ही राजा और पूरे गांव को राहत मिली और राजा ने इस तरकीब को सुझाने वाले व्यक्ति को दस हजार सोने की मोहर इनाम में दे दीं और अपने यहां मंत्री के पद पर भी उसे नियुक्त कर लिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। परीक्षा आदि में सफलता मिलेगी। पारिवारिक कष्ट एवं समस्याओं का अंत संभव है।

वृषभ

आज बाहरी शत्रु सक्रिय रहेंगे। कुसंगति से हानि होगी। व्ययवृद्धि होगी। लेन-देन में सावधानी रखें, जोखिम न लें। किसी शुभचिंतक से मेल-मुलाकात का हर्ष होगा।

मिथुन

यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। आय में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। आकस्मिक लाभ व निकटजनों की प्रगति से मन में प्रसन्नाता रहेगी।

कर्क

कार्यस्थल पर परिवर्तन लाभ में वृद्धि करेगा। योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे। कष्ट होगा। पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ने से व्यस्तता बढ़ेगी। स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिंह

कानूनी अड़चन दूर होगी। अध्यात्म में रुचि रहेगी। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रुके धन के लिए प्रयत्न जरूर करें। कार्य का विस्तार होगा।

कन्या

चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा। प्रयास अधिक करने पर भी उचित सफलता मिलने में संदेह है।

तुला

जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। अर्थ प्राप्ति के योग बनेंगे। विवादों से दूर रहना चाहिए।

वृश्चिक

बेरोजगारी दूर होगी। विवाद न करें। संपत्ति की खरीद-फरोख्त हो सकती है। आय बढ़ेगी। मन में उत्साहपूर्ण विचारों के कारण समय सुखद व्यतीत होगा।

धनु

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। नए कार्यों से जुड़ने का योग बनेगा। पारिवारिक जीवन सुखद नहीं रहेगा।

मकर

बाहर से बुरी खबर मिल सकती है। पारिवारिक विवाद को बढ़ावा न दें। भागदौड़ रहेगी। आय में कमी होगी। अपने काम से काम रखें। दांपत्य सुख प्राप्त होगा।

कुम्भ

मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। दूर रहने वाले व्यक्तियों से संपर्क के कारण लाभ हो सकता है।

मीन

मेहमानों का आवागमन होगा। व्यय होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। अपने प्रयासों से उन्नति पथ प्रशस्त करेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

टाइफाइड से पीड़ित कृति खरबंदा ने फैंस से की दुआओं की अपील

कृति खरबंदा टाइफाइड से पीड़ित हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करके फैंस को अपने स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी। कृति खरबंदा ने फैंस से कहा कि उन्हें उनके प्यार की जरूरत है। कृति खरबंदा ने पोस्ट में लिखा, सभी को हेलो। जीवन की छोटी-सी अपडेट। टाइफाइड ने मुझे जकड़ लिया है और उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में मैं ठीक हो जाऊंगी। प्यार और दुआएं भेजें, जिससे मेरी मदद हो। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर लोहड़ी के जश्न के वीडियोज और तस्वीरें साझा की थीं, जिसमें उनके साथ पति-एक्टर पुलकित सम्राट और परिवार के अन्य सदस्य नजर आए थे। एक्ट्रेस ने पोस्ट को साझा करते हुए कैप्शन में लिखा था, हमारी पहली लोहड़ी। कृति हाउसफुल 4, गेस्ट इन लंदन, शादी में जरूर आना जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। कृति खरबंदा ने हाल में अपनी फिल्म शादी में जरूर आना की रिलीज के सात साल पूरे होने का जश्न मनाया था। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म की बीटीएस तस्वीरें और वीडियो शेयर किए थे, जिसमें उन्होंने फिल्म के सफर को याद करते हुए फैंस का आभार जताया था। 2017 में रिलीज हुई फिल्म में कृति के साथ राजकुमार राव लीड रोल में थे। फिल्म में कृति के किरदार का नाम आरती और राजकुमार के किरदार का नाम सत्तू था। 'शादी में जरूर आना' फिल्म में कृति खरबंदा और राजकुमार राव के साथ केके रैना, अलका अमीन, विपिन शर्मा, गोविंद नामदेव, नवनी परिहार, नयनी दीक्षित और मनोज पाहवा अहम भूमिकाओं में थे। कृति खरबंदा को उनके फैंस अगली फिल्म में देखने को बेताब हैं। वे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। फैंस के साथ अपनी जिंदगी की झलकियां शेयर करती रहती हैं।

रिपब्लिक डे पर 'इमरजेंसी' की कमाई हुई 16 करोड़ के पार

कंगना रनौत की 'इमरजेंसी' ने 17 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। इस पॉलिटिकल ड्रामा का राशा थडानी और अमन देवगन की 'आजाद' के साथ क्लैश हुई था। वहीं 'इमरजेंसी' रिलीज से पहले काफी विवादों में फंस गई थी जिसके चलते फैंस में इस फिल्म को लेकर जबरदस्त एक्साइटमेंट थी।

हालांकि फिल्म की ओपनिंग धीमी रही थी और इसके बाद 'इमरजेंसी' के कलेक्शन में काफी उतार-चढ़ाव देखा गया। हालांकि इसने बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी है। चलिए यहां जानतें हैं कंगना रनौत की फिल्म ने रिलीज के 10वें दिन यानी दूसरे संडे को रिपब्लिक डे के मौके पर कितना कलेक्शन किया है?

'इमरजेंसी' में कंगना रनौत ने पूर्व दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का रोल प्ले किया है। कंगना की एक्टिंग की काफी तारीफ हो रही है हालांकि फिल्म पर तथ्यों से छेड़छाड़ का आरोप भी लग रहा है। इन सबके बावजूद 'इमरजेंसी' सिनेमाघरों में दर्शकों को खींच रही है। फिल्म ने पहले हफ्ते में तो ठीक ठाक कमाई की थी। लेकिन स्काई फोर्स की

रिलीज के बाद 'इमरजेंसी' के कलेक्शन पर खासा असर पड़ा था और ये लाखों में सिमट गई थी लेकिन दूसरे वीकेंड पर एक बार फिर 'इमरजेंसी' ने बॉक्स ऑफिस पर दबदबा दिखाया और इसके कारोबार में तेजी देखी गई। फिल्म के अब तक के कलेक्शन की बात करें तो सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक 'इमरजेंसी' ने 2.5 करोड़ से खाता खोला था। इसके बाद फिल्म ने पहले हफ्ते में 14.3 करोड़ रुपयों की कमाई की वहीं 8वें दिन यानी दूसरे शुक्रवार को 'इमरजेंसी' का कलेक्शन महज 40 लाख रुपये रहा। 9वें दिन फिल्म ने 85 लाख की कमाई की।

वहीं अब फिल्म की रिलीज के 10वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं। सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'इमरजेंसी' ने रिलीज के 10वें दिन 1.15 करोड़ का कलेक्शन किया है। इसी के साथ 'इमरजेंसी' की 10 दिनों की कुल कमाई अब 16.70 करोड़ रुपये हो गई है। 'इमरजेंसी' ने दूसरे वीकेंड पर कमाई की रफ्तार बढ़ाई है। जिसके चलते उम्मीद जगी है कि आने वाले दिनों में भी 'इमरजेंसी' के कारोबार में तेजी आएगी।

हिंदी, मराठी फिल्मों में काम करने को तैयार हुईं शिल्पा शिरोडकर

नब्बे के दशक में शिल्पा शिरोडकर बॉलीवुड की एक चर्चित अभिनेत्री रही। शादी के बाद उन्होंने करियर से ब्रेक ले लिया, चुनिंदा फिल्में ही कीं। हाल ही में वह टीवी रियालिटी शो 'बिग बॉस 18' में नजर आईं। शिल्पा को पर्दे पर देखकर उनके पुराने फैंस काफी खुश हुए। सीरियल में उनकी बॉन्डिंग विनर रहे करण वीर मेहरा के साथ काफी अच्छी रही। इस शो से आने के बाद उनके करियर प्लान हैं? इस बारे में शिल्पा शिरोडकर ने बताया।

हाल ही में शिल्पा शिरोडकर को मुंबई में देखा गया, जहां कुछ पैपराजी से वह बात करती नजर आईं। इस मौके पर उनसे पूछा गया कि क्या वह अब खतरों के खिलाड़ी जैसी रियालिटी शो में नजर आएंगी। इस पर शिल्पा का जवाब था- 'क्या आपको लगता है कि मैं वो शो करूंगी। अगर ऑफर आया तो भी नहीं कर पाऊंगी।'

आगे करियर को लेकर शिल्पा शिरोडकर के क्या प्लान है? वह किस तरह की फिल्में कर रही हैं या करना चाहती हैं? यह सवाल पूछने पर शिल्पा कहती हैं, 'अब काम पर लगने का समय आ गया। मैं हिंदी, मराठी फिल्मों में काम करने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं।'

हिंदी के अलावा साउथ फिल्में भी की हैं

शिल्पा शिरोडकर अगर करियर की बात की जाए तो वह पहले हिंदी के अलावा तमिल और तेलुगू भाषा की फिल्में भी कर चुकी हैं। शिल्पा की बहन नम्रता शिरोडकर, साउथ एक्टर महेश बाबू की वाइफ हैं। हाल ही में अपनी बहन नम्रता के साथ शिल्पा ने सोशल मीडिया पर प्यारी सी तस्वीरें भी साझा की थीं।

अजब-गजब | गुजरात के इस गांव में है रामराज्य!

नशामुक्त, प्लास्टिक मुक्त, 0 फीसदी क्राइम और 100 फीसदी साक्षरता से युक्त है यह गांव

गुजरात के राजकोट शहर से 22 किलोमीटर दूर स्थित राज समढियाला गांव राज्य और जनता की सुख-समृद्धि की कल्पना को साकार करता है। बता दें कि यह गांव राम राज्य की कल्पना को जीवंत करता है। कई प्रारंभिक सुविधाओं और कड़े नियमों के कारण राज्य में एक मिसाल बन गया है। तीसरी बार सरपंच बने हरदेवसिंह जाडेजा के नेतृत्व में, राज समढियाला गांव ने विकास की एक अनोखी कहानी लिखी है। 1983 में जब वे पहली बार सरपंच बने, तब से गांव का सत्रह गुना विकास हुआ है। गांव की सबसे उल्लेखनीय विशेषता यह है कि यहां कोई अपराध नहीं होता। गांव में 0% क्राइम रेट, 100% शिक्षा दर और 100% मतदान हुआ है। यह गांव भारतीय लोकतंत्र की एक उत्कृष्ट मिसाल पेश करता है।

बता दें कि अक्सर ऐसा होता है कि गांवों में पुरुषों की संख्या अधिक होती है, लेकिन राज समढियाला गांव ऐसा है जहां पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या अधिक है। यहां स्त्री भ्रूण हत्या (द्धद्गद्वड्डद्य द्धद्गह्लद्बष्द्बस्र्द्ग) बिल्कुल नहीं होती। गांव में बेटी के जन्म पर माता-पिता को प्रोत्साहित किया जाता है. इस

गांव का क्राइम रेट 0% है. पिछले 50 वर्षों में एक भी अपराध इस गांव में दर्ज नहीं हुआ है. यहां कोई पुलिस नहीं आती. यदि कोई छोटे-मोटे मुद्दे उठते हैं, तो उनकी सुनवाई ग्राम पंचायत में होती है और पंचायत कमेटी द्वारा उचित निर्णय लिया जाता है।

1983 में जब हरदेवसिंह जाडेजा सरपंच बने, तब गांव में 1600 पेड़ थे। इसके बाद 65 हजार पेड़ लगाए गए और आज गांव में 75 हजार पेड़ हैं। यहां शिक्षा दर 100% है। गांव में गंदे पानी का भी सदुपयोग किया जाता है। राज समढियाला गांव में लोग अपनी मर्जी से पेड़ की टहनी भी नहीं काट सकते।

यहां पेड़ काटना या उसकी टहनी काटना भी अपराध माना जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि सौराष्ट्र का यह एकमात्र गांव है जहां गंदे पानी को शुद्ध करने का प्लांट लगाया गया है। इसलिए गांव का जो भी गंदा पानी निकलता है, उसे शुद्ध करके पेड़ों को पानी देने, सफाई आदि कार्यों में उपयोग किया जाता है।

राज समढियाला गांव को डिजिटल गांव भी कहा जाता है। हरदेवसिंह जाडेजा के मार्गदर्शन में पूरा गांव वाई-फाई और सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। साथ ही यह गांव नशामुक्त और प्लास्टिक मुक्त है। यहां एक नियम है कि जो भी व्यक्ति प्लास्टिक की वस्तु खरीदता है, उसका नाम पैकेट पर लिखा जाता है ताकि अगर वह कहीं प्लास्टिक फेंके तो पता चल सके।

इस गांव के नाम पर बेस्ट सरपंच अवार्ड (जिला स्तर का), बेस्ट वाटर हार्वेस्टिंग अवार्ड (राज्य स्तर का), बेस्ट किसान अवार्ड (राज्य स्तर का), विलेज डेवलपमेंट अवार्ड (राष्ट्रीय अवार्ड), निर्मल ग्राम अवार्ड, तीर्थग्राम अवार्ड, समरस ग्राम पंचायत अवार्ड, श्रेष्ठ ग्राम पंचायत अवार्ड (जिला स्तर का) और स्वच्छता के लिए स्वर्णिम ग्राम अवार्ड हैं।

गांधी जी के आह्वान पर हुआ था शहादत की गवाही देते इस स्मारक का निर्माण कार्य

बालाघाट। बालाघाट को क्रांतिकारियों की भूमि कहा जाता है। यहां पर 365 स्वतंत्रता सेनानी हुआ करते थे। इनमें सबसे ज्यादा वारासिवनी में 92 सेनानी थे। देश की आजादी के लिए जब कोई आंदोलन या सत्याग्रह होता था, यहां पर भी उसका बड़ा असर देखने मिलता था। वहीं, देश को आजादी मिली तो एक ने गांधी जी के आह्वान पर एक स्तंभ बना लिया। आज भी वह स्तंभ वही मौजूद है। वारासिवनी निवासी संजय अग्रवाल ने बताया कि 15 अगस्त 1947 में देश आजाद हुआ था। तब महात्मा गांधी ने देश भर के स्वतंत्रता सेनानियों से आग्रह किया था कि अपने-अपने शहर और कस्बे में एक आजादी के नाम स्मारक बनवाएं। ऐसे में वारासिवनी के स्वतंत्रता सेनानी हरिशंकर अग्रवाल ने खुद की लागत से एक स्मारक बनवाया, जो आज भी वारासिवनी में मौजूद है। आजादी के कुछ सालों के बाद सरकार ने हर शहर और कस्बे में जय स्तंभ बनवाए। ऐसे में हरिशंकर अग्रवाल ने जो स्मारक बनवाया था उस पर शासन ने ध्यान नहीं दिया। अब वह एक निजी स्मारक बन कर रह गया है। वहीं, हरिशंकर अग्रवाल के पोते संजय अग्रवाल ने बताया कि अब स्मारक को हम ही संरक्षित करके रखेंगे। गांधी जी के आह्वान पर साल 1942 में देश भर में भारत छोड़ो आंदोलन हुआ था। ऐसे में यह आंदोलन बालाघाट के वारासिवनी में भी हुआ था, जिसमें जुलूस भी निकले। इस जुलूस में दशाराम फुलमारी सबसे आगे थे। इस दौरान जुलूस ने अंग्रेजी सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और आंदोलनकारियों पर लाठीचार्ज किया। ऐसे में हिंसा भड़क गई और आंदोलनकारियों ने पत्थर फेंके। तब सुपरिन्डेन्ट ने गोली चलाने का आदेश दिया। ऐसे में सबसे आगे दशाराम थे और 22 साल की उम्र में वह शहीद हो गए। साथ ही कई लोग इसमें घायल हो गए। अब उस चौक को गोलीबारी चौक के नाम से जाना जाता है। इसमें दशाराम उर्फ दाखिया की प्रतिमा भी रखी गई है।

आतिशी ने की चुनाव आयोग से बीजेपी की शिकायत

चुनाव आयोग से की सख्त कार्रवाई करने की मांग

» बोलीं- खुलेआम नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं बीजेपी कार्यकर्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखा है। आतिशी ने मुख्य चुनाव आयुक्त लिखे पत्र आरोप लगाया कि भाजपा उम्मीदवार अपनी तथाकथित योजना के लिए महिलाओं का रजिस्ट्रेशन करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी महिलाओं को नकदी वितरित करने और घर और जमीन का अधिकार देने का वादा कर रहे हैं।

आतिशी ने कहा कि यह गतिविधियां खुलेआम आचार संहिता के दिशा निर्देशों का उल्लंघन करती हैं। आतिशी ने इसको लेकर चुनाव आयोग से तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया है। आतिशी ने कहा कि अगर चुनाव आयोग अगले 24 घंटों के भीतर ठोस कार्रवाई नहीं करता है तो यह माना जाएगा कि भाजपा की गतिविधियों को कानूनी तौर पर छूट दी गई है। इसके बाद फिर हम अपनी महिला सम्मान योजना और संजीवनी योजना के लिए पंजीकरण भी फिर से शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि पटपड़गंज में भाजपा उम्मीदवार/कार्यकर्ता महिलाओं से संपर्क कर रहे हैं और उन्हें वित्तीय सहायता का वादा कर रहे हैं। वे इन महिलाओं से रजिस्ट्रेशन फॉर्म एकत्र कर रहे हैं, जो उनके वोटों को प्रभावित करने का सीधा प्रयास है। यह घटनाएं 24 और 25 जनवरी को पटपड़गंज में हुई। सीएम आतिशी ने कहा है कि कि मटियाला में भाजपा उम्मीदवार /कार्यकर्ता 25 जनवरी से एमसीडी स्कूल के पास एमआरवी वाटिका घासीपुरा में पीएम-उदय योजना के तहत पंजीकरण कर रहे हैं, जो मतदाताओं को प्रभावित करने का एक स्पष्ट प्रयास है।नई दिल्ली में भाजपा उम्मीदवार/कार्यकर्ता पंजीकरण कर रहे हैं, जहां झुग्गी-वहां मकान के वादे के तहत, जिसका उद्देश्य मतदाताओं को प्रभावित करना है। उक्त घटना 26 जनवरी को घटी थी।

उल्लंघन हमारी लोकतांत्रिक प्रक्रिया की अखंडता को खतरे में डालते हैं

आतिशी ने कहा कि यह गतिविधियां खुलेआम आचार संहिता के दिशा निर्देशों का उल्लंघन करती हैं। इसको लेकर आतिशी ने ईसीआई से तत्काल कार्रवाई करने की अपील की और कहा कि अगर चुनाव आयोग अगले 24 घंटों के भीतर कोई ठोस कार्रवाई नहीं करता है तो यह माना जाएगा कि बीजेपी की गतिविधियों को कानूनी तौर पर छूट दी गई है। सीएन आतिशी ने कहा कि यह उल्लंघन हमारी लोकतांत्रिक प्रक्रिया की अखंडता को खतरे में डालते हैं। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों में जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए इन्हें तत्काल संबोधित किया जाना चाहिए। आतिशी ने साथ ही कहा कि मुझे विश्वास है कि चुनाव आयोग अपने जनादेश को बरकरार रखने के लिए तेजी से कार्य करेगा।

शेयर बाजार में गिरावट बड़ी कंपनियों पर आफत!

» रिलायंस और टीसीएस को भारी नुकसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट के चलते टॉप टेन कंपनियों का मार्केट कैप संयुक्त रूप से 94,409 करोड़ रुपये कम हो गया है। इस गिरावट में देश की सबसे बड़ी निजी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) का मार्केट कैप 22,937 करोड़ रुपये कम होकर 16,63,602 करोड़ रुपये रह गया है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 31,549 करोड़ रुपये गिरकर 14,70,806 करोड़ रुपये हो गया है। कारोबारी सत्र में टीसीएस के शेयर में एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट हुई। भारत के प्रमुख वित्तीय संस्थानों में से एक एचडीएफसी बैंक के बाजार पूंजीकरण में 15,295 करोड़ रुपये की गिरावट आई। दूरसंचार क्षेत्र की दिग्गज कंपनी भारती एयरटेल के मार्केट कैप में 24,036 करोड़ रुपये की भारी गिरावट देखी गई।

इसके अलावा आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इन्फोसिस के बाजार पूंजीकरण में 22,193 करोड़ रुपये की गिरावट आई है। भारी गिरावट के बावजूद आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 13,233 करोड़ रुपये बढ़ा है। इसके अलावा भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के मार्केट कैप में 4,507 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) के बाजार पूंजीकरण में 5,815 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। बाजार में गिरावट की वजह कमजोर वैश्विक संकेतों और तीसरी तिमाही के कमजोर नतीजों को माना जा रहा है। भारतीय शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली देखी गई। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 824 अंक या 1.03 प्रतिशत गिरकर 75,366 और निफ्टी 263 अंक या 1.14 प्रतिशत गिरकर 22,829 पर था।

टी20 सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगा भारत

» राजकोट में भी चार स्पिनरों के साथ उतर सकती है भारतीय टीम

» सूर्यकुमार यादव की खराब फार्म बनी चिंता विषय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजकोट। सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से तीसरे टी20 मुकाबले में उतरेगी। भारत ने कोलकाता और चेन्नई में खेले गए शुरुआती दो मुकाबले जीतकर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली थी। भारत ने इन दोनों ही मैचों में गेंदबाजी में प्रभावित किया था और इंग्लैंड के बल्लेबाजों को बड़ा स्कोर बनाने से रोका था। भारत के लिए कप्तान सूर्यकुमार की फॉर्म चिंता का विषय है।

पिछले साल सूर्यकुमार ने जब टीम की कमान संभाली तो भारत ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन कप्तान स्वयं रन बनाने के लिए जूझते रहे। टी20 के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक सूर्यकुमार ने इस बीच 17 पारियों में 26.81 की औसत से 429 रन बनाए। अब समय आ गया है जबकि उन्हें खुद को साबित करना होगा। वहीं अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई और वरुण चक्रवर्ती के रूप में चार स्पिनर के साथ ही टीम उतर सकती हैं, वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वापसी एक बार फिर फिटनेस पर ही निर्भर करेगी। शमी इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज और अगले महीने होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। ऐसे में तेज गेंदबाजी आक्रामण का जिम्मा एक बार फिर अर्शदीप सिंह और हार्दिक पांड्या पर ही रहेगा। भारत ने पहले दो मैच में अर्शदीप सिंह के रूप में एकमात्र विशेषज्ञ तेज गेंदबाज उतारा था। हार्दिक पांड्या ने उनके साथ नई गेंद की जिम्मेदारी संभाली थी। भारत के इस संयोजन में बदलाव करने की संभावना नहीं है।

जसप्रीत बुमराह बने 2024 के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को 2024 का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर चुना गया है। इस पुरस्कार के लिए बुमराह के अलावा इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट, इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक और श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस भी नामित थे लेकिन बुमराह ने इन सभी को पछाड़कर पुरस्कार जीता। बुमराह ने हाल ही में टेस्ट में 200 विकेट पूरे किए थे। बुमराह 2024 में टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने 13 मैच में 14.92 की औसत और 30.16 के स्ट्राइक रेट से 71 विकेट चटकाए, जो पारंपरिक प्रारूप में किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। आईसीसी ने पर्थ में बुमराह के मैच का रुख बदलने वाले स्पैल को उनके सबसे यादगार प्रदर्शन में से एक माना था जिसकी बदौलत भारत ने 295 रन से जीत दर्ज की। बुमराह एक कैलेंडर वर्ष में 70 से अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले चौथे भारतीय गेंदबाज बने। इस तरह वह रविचंद्रन अश्विन, अनिल कुंबले और कपिल देव की लिस्ट में शामिल हो गए। बुमराह से पहले राहुल द्रविड़ (2004), गौतम गंभीर (2009), वीरेंद्र सहवाग (2010), रविचंद्रन अश्विन (2016) और विराट कोहली (2018) भी यह पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं।

जल्द राजनीति में आ सकते हैं निशांत कुमार

» नीतीश कुमार के बेटे को लेकर बिहार में सियासी अटकलों का बाजार गर्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के सियासी गलियारों में एक बार फिर पुरानी चर्चा जिंदा हो गई है। चर्चा है कि मुख्यमंत्री व जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार राजनीति में एंट्री करने वाले हैं। जिसको लेकर बिहार में सियासी अटकलों का बाजार गर्म है, बीती 8 जनवरी को निशांत कुमार अपने पिता के साथ अपने पैतृक गांव में साथ स्वतंत्रता सेनानियों की मूर्तियों का अनावरण कार्यक्रम में पहुंचे थे। निशांत कुमार ने कहा कि नए साल में चुनाव है तो पिता (नीतीश कुमार) और उनकी पार्टी को जनता वोट करें और फिर से सरकार में लेकर आए वे अच्छा काम करेंगे, जेडीयू के सूत्रों ने बताया कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार होली के बाद सक्रिय राजनीति में आ सकते हैं।

नीतीश कुमार के एक करीबी नेता के अनुसार निशांत कुमार तो राजनीति में आने के लिए तैयार हैं, लेकिन वे मुख्यमंत्री की हरी झंडी का इंतजार कर रहे हैं। नीतीश कुमार को बताया गया है कि पार्टी के कार्यकर्ता चाहते हैं कि निशांत कुमार को राजनीति में लाया जाए। हालांकि नीतीश कुमार वंशवादी राजनीति की आचोलना करते रहे हैं, वे राष्ट्रीय जनता दल और लोक जनशक्ति पार्टी के खिलाफ वंशवादी राजनीति को लेकर काफी मुखर रहे हैं। पिछले साल भी निशांत कुमार को जदयू में लाने की काफी चर्चाएं हुई थीं। पार्टी के कार्यकर्ताओं ने निशांत को पार्टी में शामिल करने की मांग की थी। लेकिन, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने इस मांग को खारिज कर दिया था। निशांत कुमार को आखिरी बार 2015 में अपने पिता के शपथ ग्रहण समारोह के राजनीतिक कार्यक्रम में देखा गया था।

तेजस्वी और चिराग को राजनीति में लाने का मिला फायदा

बात करें आरजेडी की तो लालू यादव ने साल 2013 में अपने बेटे तेजस्वी यादव को पार्टी के अगले नेता के रूप में पेश किया था। लगभग उसी दौरान रामबिलास पासवान ने भी अपने बेटे चिराग पासवान को पेश किया था। चिराग पासवान ने 2014 के चुनाव में लोजपा को एनडीए के साथ लाने में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं तेजस्वी यादव ने साल 2020 में आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन को 110 सीटों पर पहुंचाया। वे बहुमत से केवल 12 सीट ही दूर रह गए थे। ऐसे में कुछ नेताओं का मानना है कि निशांत कुमार को एक दशक पहले ही राजनीति में शामिल करवा दिया जाता तो वे स्वाभाविक रूप से नीतीश कुमार के उत्तराधिकारी होते।

राम-रहीम को मिली 12वीं बार पैरोल

» विपक्ष का आरोप सरकार बलात्कारियों का कर रही सपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा के रोहतक की सुनारिया जेल में अपनी दो शिष्याओं से बलात्कार के आरोप में 20 साल की सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को एक बार फिर पैरोल पर रिहा कर दिया गया। इस बार उनको 30 दिनों की पैरोल मिली है। पिछले चार सालों में यह राम रहीम की 12वीं पैरोल है। बाबा राम रहीम अगस्त 2017 में दो शिष्याओं से बलात्कार के लिए 20 साल जेल की सजा सुनाए जाने के बाद पहली बार वह सिरसा में अपने डेरे में 10 दिनों तक रुकेंगे।

अपने अनुयायियों के वोटों को प्रभावित करने की क्षमता के कारण राम रहीम को लगभग दो दशकों तक पंजाब और हरियाणा के राजनीतिक नेताओं और दलों का संरक्षण प्राप्त था। पिछली बार उन्होंने अपने पिता मगहर सिंह की पुण्यतिथि 5 अक्टूबर का हवाला देते हुए पैरोल मांगी थी, जिसे परमार्थी दिवस के रूप में मनाया जाता है। पिछले साल अक्टूबर से पहले हरियाणा सरकार ने उन्हें अगस्त में 21 दिन की छुट्टी दी थी, जो 2 सितंबर को समाप्त हो गई थी।

लखनऊ विवि के कुलपति के खिलाफ शिकायत

आजाद अधिकार सेना ने राज्यपाल को भेजा प्रत्यावेदन, अप्लाइड इकोनॉमिक्स विभाग के प्रोफेसर विमल जायसवाल के खिलाफ हो रही जांच

» नियुक्ति में मनमानी करने का लगा है आरोप

» अमिताभ ठाकुर ने कहा- शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं कर रहे लविवि कुलपति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में गलत तरीके से नौकरी करने वाले प्रोफेसर के खिलाफ चारों ओर से विरोध के सुर उठने लगें हैं। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने लखनऊ विश्वविद्यालय में अप्लाइड इकोनॉमिक्स विभाग के प्रोफेसर विमल जायसवाल के विरुद्ध विभिन्न गंभीर शिकायतों के संबंध में कुलपति प्रो आलोक कुमार राय द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किए जाने पर आपत्ति उठाई है। उन्होंने इस संबंध में कुलाधिपति के रूप में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल को प्रत्यावेदन भेज कर जांच की मांग की है।

उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 12 सहित अन्य प्रावधानों में भेजे गए प्रत्यावेदन में उन्होंने कहा कि प्रो विमल जायसवाल पर क्रीमीलेयर के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन करते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर बनाए जाने तथा प्रोफेसर बनने के बाद उनके द्वारा अनुचित ढंग से संपत्ति का अर्जन किए जाने के गंभीर आरोप हैं। साथ ही उन पर पूर्व में केंद्रीय अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ की एक जांच में कई लोगों को आपराधिक रूप से धमकाने के भी आरोप हैं।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय

विधायक अभय सिंह ने की थी कमेटी के अध्यक्ष को बदलने की मांग

वहीं दूसरी तरफ विधायक अभय सिंह की ओर से मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कमेटी के अध्यक्ष बदलने की मांग की गई थी. जांच कमेटी गठन होने के 10 दिन बिकने के बाद भी कोई बैठक न होने पर यह अटकलें लगाई जा रही थी, कि शासन की ओर से शायद कमेटी का अध्यक्ष बदला जा सकता है। लेकिन कमेटी की पहली बैठक होने के बाद अब इस पर भी विराम लग गया है।

कुलपति पर भी हो कार्रवाई

इन आरोपों के संबंध में प्रो आलोक राय को कई बार शिकायत प्राप्त हुई, किंतु उनके द्वारा इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की गई है। अतः अमिताभ ठाकुर ने राज्यपाल से इन तथ्यों की जांच करा कर प्रो आलोक राय और प्रो विमल जायसवाल के संबंध में समुचित कार्यवाही की मांग की है।

शासन के आदेश से शुरू हुई थी जांच

लखनऊ विश्वविद्यालय के एप्लाइड इकोनॉमिक्स के प्रोफेसर विमल जायसवाल के मामले की जांच शुरू हो गई है। उच्च शिक्षा विभाग की ओर से लखनऊ विश्वविद्यालय के ही कुलपति प्रोफेसर आलोक राय की अध्यक्षता में 14 सदस्य कमेटी का गठन किया था, जिसकी पहली बैठक हो गई है, शासन के निर्देश पर गठित जांच समिति की पहली बैठक में प्रोफेसर जायसवाल की नियुक्ति से जुड़े दस्तावेज रखे गए, कमेटी की ओर से प्रोफेसर जायसवाल को एक पत्र भेजा गया है। अगली बैठक में उनके बयान दर्ज होंगे।शासन की ओर से 8 जनवरी को इस मामले में एक जांच समिति का गठन किया गया था. एलयू वीसी को कमेटी की कमान सौंपा गई थी। हालांकि एलयू वीसी के विदेश में होने के कारण इसकी एक भी बैठक उस समय नहीं हो पाई थी। जबकि शासन की ओर से 15 दिन के अंदर ही पूरे मामले की जांच रिपोर्ट सॉफ्टवेयर के निर्देश दिए गए थे।

2005 में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर आये थे जायसवाल

प्रोफेसर विमल जायसवाल की नियुक्ति साल 2005 में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर ओबीसी नॉन क्रीमी लेयर संवर्ग में हुई थी। शिकायतकर्ता ने कहा है कि प्रोफेसर विमल के पिता सियाराम जयसवाल लखनऊ

विश्वविद्यालय के कॉमर्स विभाग के हेड रहे थे। वह उच्च शिक्षा आयोग के अध्यक्ष भी रह थे, ऐसे में वह ओबीसी के नॉन क्रीमी लेयर के तहत नहीं आते हैं, गलत तरह से उनकी नियुक्ति की गई है,उन पर यह भी आरोप है कि उनका प्रोफेसर के पद पर प्रमोशन भी गलत तरह से किया गया है, निर्धारित मानकों को पूरा किए बिना ही उनका प्रमोशन कर दिया गया है, इसके अलावा विभिन्न प्रशासनिक पदों पर रहते हुए अनिमियताओं के भी कई आरोप लगाये गये हैं।

न्याय दिलाने के लिए इस्तीफा देने को तैयार: ममता बनर्जी

» पश्चिम बंगाल में स्वास्थ्य व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए हुआ प्रोग्रेसिव हेल्थ एसोसिएशन का गठन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए ममता सरकार ने प्रोग्रेसिव हेल्थ एसोसिएशन के गठन को मंजूरी दे दी है। इस संगठन की जिम्मेदारी पश्चिम बंगाल की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री डॉ. शशि पांजा को दी गई है।

वहीं आरजी कर हादसे के मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने साफ कहा है कि अगर उनका इस्तीफा न्याय दिलाने में मदद कर सकता है, तो वह इसके लिए भी तैयार हैं। लेकिन, दुर्भाग्य की बात है कि विपक्षी राजनीतिक दल इस संवेदनशील मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर और दुखद घटना है। यह स्थिति निश्चित रूप से दुखद और अस्वीकार्य है, क्योंकि इस तरह के मुद्दों को राजनीतिक मंच पर नहीं उठाना चाहिए। मंत्री डॉ. शशि पांजा ने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की दिशा में उठाए गए कदमों की जानकारी दी। डॉ. पांजा ने कहा कि राज्य की मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में जो विकास किए गए हैं, उसे ध्यान में रखते हुए यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि स्वास्थ्य सेवाएं हर गांव तक पहुंचे और जहां कहीं भी कमी हो, उसे पूरा किया जाए। पांजा ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य ग्रामीण इलाकों में भी उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उनके मुताबिक आरजी कर मामले में आंदोलन के मुद्दे पर भी बात करना जरूरी है।

गलत जानकारी और अफवाहें फैलाई गईं

उन्होंने कहा कि एक दुखद घटना के बाद, कुछ गलत जानकारी और अफवाहें फैलाई गईं, जिसका मकसद लोगों को भटकाना था। ऐसे मामलों में राजनीतिक लाभ की कोशिशें भी की गईं, लेकिन हमें यह समझने की जरूरत है कि किसी भी तरह के आंदोलन में, खासकर जब बात लोगों के दर्द और संघर्ष की हो, उसमें सच्चाई और निष्पक्षता सबसे महत्वपूर्ण है। डॉ. शशि पांजा ने कहा कि हमारा प्रयास यह होना चाहिए कि हम प्रोग्रेसिव हेल्थ एसोसिएशन जैसे संगठनों का समर्थन करें ताकि स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार की दिशा में कदम उठाए जा सकें।पर उठाना केवल स्थिति को बिगाड़ता है।

बजट सत्र की तैयारी शुरू 30 को सर्वदलीय बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र शुरू होने वाला है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार, 31 जनवरी 2025 को संसद के दोनों सदनों को संबोधित करेंगी। संसद के बजट सत्र का पहला भाग 31 जनवरी 2025 को शुरू होगा और 13 फरवरी को समाप्त होगा।

सत्र का दूसरा भाग 10 मार्च 2025 को शुरू होगा और 4 अप्रैल 2025 को समाप्त होगा। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि अठारहवीं लोकसभा का चौथा सत्र शुक्रवार, 31 जनवरी, 2025 को शुरू होगा। सरकारी कामकाज की अनिवार्यताओं के अधीन, सत्र शुक्रवार, 4 अप्रैल, 2025 को समाप्त होने की संभावना है।

पहाड़ काटने वाले दशरथ मांझी के बेटे थामेंगे कांग्रेस का दामन

» जदयू में नजरअंदाजी के चलते बदला पाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियां चुनावी रणनीति बनाने में जुट गई हैं। इसी कड़ी में आज (28 जनवरी) माउंटेन मैन के नाम से मशहूर दशरथ मांझी के बेटे भागीरथ मांझी कांग्रेस में शामिल होने वाले हैं।

इसके जरिए कांग्रेस बिहार की महादलित जातियों खासकर मांझी समाज को साधने की कोशिश कर सकती है। भागीरथ मांझी के साथ पूर्व राज्यसभा सांसद अली अनवर और कुम्हार समाज के नेता मनोज प्रजापति भी आज कांग्रेस में शामिल होंगे।

बागपत में बड़ा हादसा: सात की मौत, 75 से अधिक लोग घायल

जैन निर्वाण महोत्सव में मच गई भगदड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बागपत। यूपी में सरकारी लापरवाही का एक और मामला सामने आया।अभी पिछले साल ही हाथरस में नारायण सरकार के धार्मिक कार्यक्रम बड़ा हादसा हुआ था जिसे सैकड़ों लोगों की जान गई थी जिसमें प्रशाशनिक नाकामी उजागर हुई थी। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में मंगलवार को बड़ा हादसा हुआ है। बड़ौत में आयोजित जैन निर्वाण महोत्सव में दर्दनाक हादसा हुआ है।

कार्यक्रम के लिए लगा स्टेज टूटने से सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई। जबकि 75 से अधिक महिला, पुरुष और बच्चे घायल हुए हैं। घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। आनन-फानन एंबुलेंस नहीं मिलने पर घायलों को ई रिक्शा से अस्पताल ले जाया गया। घायलों में पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। सूचना मिलते ही बड़ौत कोतवाली इंस्पेक्टर भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। एसपी और एडिशनल एसपी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे हैं। मृतकों की संख्या में इजाफा हो सकता है।

बढ़ सकती है मृतकों की संख्या

जानकारी के अनुसार, बागपत के बड़ौत में आयोजित भगवान आदिनाथ के निर्वाण लड्डू पर्व पर श्री दिगंबर जैन डिग्री कॉलेज के मैदान पर बनाए गए मान स्तंभ का मंच टूट गया। इससे मौके पर भगदड़ मच गई। सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 75 से अधिक लोग घायल हुए हैं। घायलों को अलग-अलग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

बनाया गया था 65 फीट ऊंचा मंच

बड़ौत शहर कोतवाली इलाके के गांधी रोड पर यह दर्दनाक हादसा हुआ है। श्री दिगंबर जैन डिग्री कॉलेज के मैदान पर निर्वाण महोत्सव के तहत यहां धार्मिक कार्यक्रम होना था, यहां 65 फीट ऊंचा मंच बनाया गया था। इसकी सीढ़ियां टूट गईं। जिससे भगदड़ मच गई।

मिट्टी भराव की वजह से हुआ हादसा

बताया जा रहा है कि श्री दिगंबर जैन डिग्री कॉलेज के ग्राउंड का हाल ही में भराव हुआ था। श्रद्धालु अधिक पहुंचने से मिट्टी बैठ गई। मंच पर श्रद्धालु ज्यादा चढ़ गए थे। जिससे बल्लियां भी टूट गईं। मंच भीड़ का दबाव नहीं झेल सका।

इनकी हुई मौत

हादसे में तरसपाल (66) पुत्र हुकमचंद गांधी रोड इमली वाली गली, अमित (35) पुत्र नरेश चंद, अरुण(48) पुत्र केशव राम ऊषा (24) पत्नी सुरेंद्र, शिल्पी (24), पुत्री सुनील जैन, विनीत जैन (40) पुत्र सुरेंद्र, कमलेश जैन (65) पत्नी सुरेश चंद की मौत हो गई है। घायलों का उपचार चल रहा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।